आईआईएम रांची तैयार करेगा बिजनेस मॉडल, फ्लाई ऐश के मिलेगा बाजार

आईआईएम रांची तैयार करेगा पीवीयूएनएल के फ्लाई एश के व्यावसायीकरण का मॉडल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) के फ्लाई एश और एश-आधारित उत्पादों के व्यावसायीकरण का मॉडल आईआईएम रांची तैयार करेगा। इसे लेकर दोनों संस्थानों ने इस रणनीतिक साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव और पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीइओ) ए.के. सहगल ने किया। इस पहल के तहत कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से उत्पन्न फ्लाई एश के प्रभावी उपयोग और उसके व्यावसायीकरण के लिए व्यवहारिक एवं योग्य समाधान विकसित

किए जाएंगे।

इस परियोजना के अंतर्गत आईआईएम रांची, पीवीयूएनएल की वर्तमान एश उपयोग प्रणाली का विस्तृत अध्ययन करेगा। कंपनी की तीनों परिचालन इकाइयों से निकलने वाले 50 प्रतिशत फ्लाई एश का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए एक व्यावहारिक मॉडल तैयार करेगा। इसके साथ ही संस्थान फ्लाई एश एवं एश-आधारित उत्पादों के अधिकतम व्यावसायिक उपयोग के लिए एक व्यापक व्यावसायीकरण मॉडल भी विकसित करेगा। इसके अलावा पीवीयूएनएल के एश-आधारित उत्पादों के लिए ब्रांडिंग, मार्केटिंग एवं विज्ञापन रणनीति भी तैयार की जाएगी, जिससे इन उत्पादों की बाजार में बेहतर पहचान स्थापित हो सके। यह परियोजना फ्लाई एश उत्पादों के औद्योगिक उपयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल संसाधन प्रबंधन को भी प्रोत्साहित करेगी।

इस अवसर पर आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति में ऊर्जा क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे सहयोग उद्योगों के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लक्ष्यों को भी मजबूती प्रदान करेगी। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद ए. के. सहगल ने आईआईएम रांची के परिसर एवं विभिन्न सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का भ्रमण किया। उन्होंने संस्थान की शोध, नवाचार तथा कार्यकारी शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती क्षमताओं की सराहना की, साथ ही भविष्य में इन क्षेत्रों में सहयोग करने की रुचि व्यक्त की।

Pratah Nagpuri_2.7.2026

फ्लाई ऐश उत्पादों की मार्केटिंग करेगा आईआईएम रांची

एमओयू

रांची, विसं। आईआईएम रांची और पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने फ्लाई ऐश और राख आधारित उत्पादों के व्यावसायीकरण के लिए रणनीतिक साझेदारी की है। इस संबंध में दोनों संस्थानों के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू का आदान-प्रदान आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव और पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एके सहगल ने किया।

आईआईएम व पीवीयूएनएल के पदधारी बुधवार को एमओयू के बाद फाइल सौंपते हुए।

समझौते के तहत आईआईएम रांची, पीवीयूएनएल की वर्तमान ऐश उपयोग व्यवस्था का विस्तृत अध्ययन करेगा और उसकी विभिन्न इकाइयों में 50 प्रतिशत फ्लाई ऐश उपयोग सुनिश्चित करने के लिए व्यावहारिक रोडमैप तैयार करेगा। इसके साथ ही फ्लाई ऐश एवं राख आधारित उत्पादों के अधिकतम व्यावसायिक उपयोग के लिए एक व्यापक कमर्शियलाइजेशन मॉडल भी विकसित किया जाएगा।

इस परियोजना के तहत आईआईएम रांची, पीवीयूएनएल के राख आधारित उत्पादों की बाजार में पहचान मजबूत करने के लिए ब्रांडिंग, मार्केटिंग और विज्ञापन रणनीति भी तैयार करेगा। इससे फ्लाई ऐश उत्पादों को उद्योगों में व्यापक स्वीकार्यता मिलने के साथ पर्यावरण अनुकूल संसाधन प्रबंधन और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव बोले, भारत की आर्थिक प्रगति में ऊर्जा क्षेत्र की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच इस तरह की साझेदारी जटिल व्यावसायिक व सतत विकास संबंधी चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण साबित होगी। एमओयू के बाद पीवीयूएनएल के सीईओ एके सहगल ने आईआईएम रांची के अत्याधुनिक परिसर और विभिन्न सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दौरा किया।

Hindustan_07.02.2026_P.9

आइआइएम रांची तैयार करेगा बिजनेस मॉडल, फ्लाइ ऐश को मिलेगा बाजार

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम रांची पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) के साथ फ्लाइ ऐश एवं ऐश आधारित उत्पादों के व्यवसायीकरण का मॉडल तैयार करेगा. इससे सतत विकास, नवाचार और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा. दोनों संस्थानों ने इस रणनीतिक साझेदारी पर एमओयू किया है. समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान आइआइएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव और पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीइओ) एके सहगल ने किया. इस पहल के तहत कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से उत्पन्न फ्लाइ ऐश के प्रभावी उपयोग और उसके व्यवसायीकरण के लिए व्यावहारिक और योग्य समाधान विकसित किये जायेंगे. परियोजना के अंतर्गत आइआइएम रांची, पीवीयूएनएल की वर्तमान ऐश उपयोग प्रणाली का विस्तृत अध्ययन करेगा.

Prabhat Khabar_02.07.2026_P. 6